







श्री

१॥ नमो रगवते सायः
याज्ञ न भक्त मि समयः
उव ले क तां गाय विरुन
मिरु न सं द्या गु ना लु भः
य ॥ नमः सं द्या य ॥ नमः ॥

सं३

महायु निसवाये ॥ नमः
गवान् ॥ महावज्र भक्त सि
ति ॥ न दि दा नि यु व का
नमा ब्रह्मा य ॥ नमा धर्माः
सर्व नथा ग ना नां नमा नः

१

म॥ सर्व द्रव्य धा धि सत्त्व धर्म सं धर्मा ॥ न द्रव्य धा ॥ अं वि य ल ग ल्ये विमल कय
ग ल्ये अं विमल ग ल्ये व क काला ग ल्ये ग ति ग द न्ना ग दं ग भ ग ग न वि सा ध नि
अं गु न व नि ग ग न वि या वि ली ग ग वि ली १ गि वि १ गि वि ली १ ग म वि १
ग द १ ग वि १ गं र लि १ ग रि १ ग दि १ ग म लि १ ग व १ गु व १ गु रु १ गु
द १ गु व वि व १ गु रु नि १ गु व १ व १ व १ व १ म ली म वि ले १ ज य वि

ॐ

ऊथ सर्वरूपगुरुसंलक्षितमिति२ गिति२ मिति२ समकाकषविसर्वस
रूपमर्थानि२ क२ मांसद्विसत्त्वा ना क२ सर्वरूपरूप ४ सर्वोपडवत् ४ सर्वः
याधित्य ४ चिति२ विनि२ मिनि२ धिति२ विगतावलनविभाधनिविविध
वलनविनासनीमृदि२ मृदि२ मृलि२ चिलि२ तिलीमिलि२ कमलविम
लऊयविजयऊयावहूऊयवनिविश्ववनिहृगवनिनलमकूटमाः

2

३३९

[illegible]

श्री

[illegible]

三

३२ म चि न प्र ना ग विला कि न ना त्र य २ रु ग व ति जू ष्म म रु द नू ण रु य
 ख ४ स व्व ण म म ना नां दि सा य ध नू जै वे या का न व ऊ या स वं ध न व ऊ ः
 का ला वि शु द्धे न नु नि २ रु ग व ति ग रू मी सा रु णा कू कि सै य न दी काल २
 य न २ का ल नी व र्थ नु द व स म न न दि वा द के न जू म न व र्थ नि जू रि विं शत
 मा न क २ मां स व्व ण वि दा वि क्षि त न द नि ऊ य २ वि ऊ य २ ऊ य नु स व्व ण स

द्वीकालं सिद्धांतं भा॥ इत्यं विद्या साधय मलुल द्याठय सर्वविद्या नूठ शार्तः
 नी जय कनी जय वनि किं २२ गव नि समय मनया नय सर्व नथ गन दद
 य शुद्ध वला कय मां सय निवो नां सर्व सत्वा ना के वीन सा दा पा न न रु थः
 स्त्रिः सर्व साम मय त्रियूल थ रु य स म हा रु य ल ॥ स न २ य स न २ सर्व वि न न
 वि सा ध नी सम ना काले मलुल वि शुद्ध विग न विग न म ले सर्व मरु ल वि

शुद्ध सर्व मरु ल वि सा ध नी किं सि २ सर्व या य वि शुद्ध मल विग न जः
 य व नि व रु व नि के ला क्रा धि वि न सा दा ४ सर्व न थ ग न सा द द य शु
 द्ध सा दा ॥ सर्व दि व ना हि वि के सा दा ४ सर्व न थ ग न द द य शुद्ध सा दा
 ॥ सर्व न थ ग न सम य सिद्ध सा दा ॥ इति इत्यु ब्र व ला कि न सा दा ॥ वि
 पू न मरु न सा दा ॥ पु क्त व र्क धू वि न सा दा ॥ म हा स न व नि न य डि ना य

श्री

साहावावऊधनवऊयाहिवनूवीर्यायसाहा॥धुननायसाहा॥विनर
कायसाहा॥विनयाकायसाहा॥विमवनायसाहा॥वठुमीहानाऊनमसु
नायसाहा॥यमायसाहा॥यमयुजिननमसुकायसाहा॥वूननायसाहा
॥मात्रकायसाहा॥माहामात्रकायसाहा॥जभेयसाहा॥वयेयेसाहा॥ना
गविलोकिनेसाहा॥दवगनेसाहा॥नागगलेत्य॥साहा॥यकग

गं

त्यसाहा॥नाकसगलेत्य॥साहा॥गध्वगलेत्य॥साहा॥जसूत्रगलेत्यः
साहा॥गवूतगलेत्य॥साहा॥किर्त्रगलेत्य॥साहा॥महात्रगलेत्य
॥साहा॥मनूकगलेत्य॥साहा॥जमनूकगलेत्यसाहा॥सर्वगहसःसा
हा॥सर्वधनेसःसाहा॥सर्वयिभावेसःसाहा॥सर्वपिस्मानसःसाहा॥स
र्वकुरुदेसःसाहा॥सर्वपूटनेसःसाहा॥सर्वकटपूकलेत्यःसाहा॥सः

वेदयुद्धकृत्यासाहा ॥ अं धनुः २ साहा ॥ अं धनुः २ साहा ॥ अं धनुः २ साहा ॥ अं धनुः २ साहा ॥
 न २ साहा ॥ अं द न २ साहा सर्व सत्क न साहा ॥ द २ स २ द २ साहा ॥ २ य २
 २ य २ थि क यु क मि न नां साहा ॥ क लि ना य साहा ॥ य क लि ना य साहा दि क
 का ला य साहा ॥ व ३ का ला य साहा ॥ स म न का ला य साहा ॥ मा नि रु का य साहा
 य २ रु का य साहा ॥ का ना य साहा ॥ मा रु का ना य साहा ॥ मा रु का ना य साहा ॥

५

॥ य क । ली नां साहा ॥ ना क सी नां साहा ॥ य न यि सा च क कि नि नां साहा ॥ ज क ज म
 न नां साहा ॥ स म उ वा सि नी नां साहा ॥ ना चि र नां साहा ॥ दि व स च लां ० नां साहा
 ॥ डि संधा च नां साहा ॥ व ना च लां साहा ॥ ज व ला च ला नां साहा ॥ ग र्द र ३
 प्र ल ४ साहा ॥ ग र्द र ३ साहा ॥ ग र्द स ३ लि ली ३ साहा ॥ द न २ साहा
 ॥ अं साहा ॥ ल ४ साहा ॥ ध न ली थ साहा ॥ ज प्र थ साहा ॥ न का वा य साहा ॥ चि वि

२ सि त्रि २ सा हा ॥ सि २ सा हा ॥ व २ सा हा ॥ सी वे मो ॥ सा हा ॥ सर्व त्क न रु य द
 न ति सा हा ॥ उ म्प य २ सा हा ॥ स म्प य २ सा हा ॥ स थ स र्प वि भु २ सा हा ॥ व २ य
 २ २ सा हा ॥ सा ध नी थ सा हा ॥ वि सा ध नी थ सा हा ॥ उ द न २ सा हा ॥ न क भ
 २ २ सा हा ॥ सि व २ सा हा ॥ सा नि त् २ सा हा ॥ य वि त् २ सा हा ॥ स म्प य २ थ
 २ सा हा ॥ सि वं क लि थ सा हा ॥ सं क नी थ सा हा ॥ सा नि क ली थ सा हा ॥ य वि क

नी थ सा हा ॥ व ल व द्ध न क नी थ सा हा ॥ सा क लि थ सा हा ॥ सा व द्ध नी थ सा
 हा ॥ सा क ल नी थ सा हा ॥ स वि सा हा ॥ न म्प वि सा हा ॥ व ग व नी सा हा ॥ स
 व न थ ग न म्प य व न वि ग न रु य स म य स र ग व नी स र्प या यं स सि रु व न
 स म स र्प स ल ना क सा हा ॥ ओं म नि २ स हा म नि वि म नि २ ध लि र लि र न रु ग
 व नि रु य वि ग न रु य रु न ति वा धि २ वा ध य २ व द्धि वि २ स र्प न थ ग न रु क सा

३१

हा गौंम ति २ म नि व लः
ना के स र्थी न ग न स वि
क व र म ड म डि ने ४ स र्थः
द य व ऊ सा हा ॥ ० ॥
म म लो द्वा न द य लि स मा

ज र्ति वि सं र्थ मां स र्व स त्वा
द्या रि ध के म दा स दा ह द य
न थ ग न ह द य धि वि न ह
ज र्थ म हा स नि स न प थः
क ॥ (७) ॥ गौं न म ४ रुः

ग व ले ज र्थ म हा सा स य म द नो ॥ न वं स य ७ न भ क लि न स म थ र ग वा न न ज ग
ह वि रु न नि स ॥ ग र्थ क ७ य व न द दि ल या रि व र्क (७) र ले न ल व क य र्थ स व न
ह म रु ना रि क स र्थ न सा र्थ ॥ न र म ल य द न्या सि ला क ना थ ७ (७) रि भ ॥ स्या द
थ दं ॥ ज र्थ न र्थ वि न र्थ व ७ व न र ७ स य न व र्थ व र्थी न व र्थ ले र ७ ग र्थ गं द ले
व ७ ज व स व रि नि स्या हा ॥ स र्थ लु स र्व स त्वा ना र्थ स्या हा ॥ स र्थ ग र्थ र्थ धु न ना क

श्री

सामरुताडस्य नामावलनेस्यया धित्वं न च स्यात् ॥ न वा दधुं युन्यामि विद्याव
 तानिर्मितं संकुलं धनीनामस्य लोकयोः स्वमदिता ॥ स्याद्यथेदं ॥ कलिरुत्तरा
 दयुदगुजमदसिंदमदसात्रागुयाकुरुसममिनामोलिनिरुलिनिविदु
 लनिस्साहा ॥ रुदं रुदं रुदं रुदं ॥ सुदनीवनागुवनिरुलिनि नचलमनि
 वधुलि सचराचलसाहा ॥ इमां या विनविद्या नस्मिन्नालउदारुप्रु ॥ ३

५२

स्याद्यथेदं ॥ गृठ १ दिग्विठ १ विमल विलंब वलिनिचरुचनक्षममनि
 धीमेसाहा ॥ नानागलेसुधायथेनिधनासर्वयायका ॥ रुम १ कवलिदुदनि
 रुवप्रगात्रासुनिनिसेवत्रिसोवत्रिसो निसुसानिस्साहा ॥ धवनिस्साहा ॥ य
 धवनिस्साहा ॥ गमध्वसाहा ॥ यत्रं गनिस्साहा ॥ सर्वकागार्दुदनिस्साहा
 ॥ गुरुमकुयदानिस्सि ॥ उदस्यवचनं यथा ॥ स्याद्यथेदं ॥ जकुम विकुमकुम

श्री

[illegible]

三

विटि विटि विटि विटि विनि ॥ १० ॥ ^{ना२}दिक्क ^{ना२}दिक्क दिक्क ॥ वक्क २ हा २ ध २
रुन २ ल २ न २ सा हा ॥ न मा ४ सद्य वद्धा सा हा ॥ युथे क वद्धा सा हा ॥ ज रु ना
नां सा हा ॥ मि नी य स्य वा धि सत्व स्य म हा सत्व स्य सा हा ॥ सद्य वद्ध वा धि सत्वा नां सा
हा ॥ ज ना ग म मि नां सा हा ॥ स सु दा ग म मि नां सा हा ॥ सा ना य ना नां सा हा ॥ स म्म ग ना
नां सा हा ॥ स म्म कु ति य न्नी नां सा हा ॥ व द्द हा सा हा ॥ हुं डा य सा हा ॥ य डा य न थ

६२

श्री

स्यारु ॥ रुसा नाय स्यारु ॥ वायु वे स्यारु ॥ अथ स्यारु ॥ वृक्ष स्यारु ॥ यमाः
 य स्यारु ॥ उथे लाय स्यारु ॥ वे सुवलय यक्ष धियन ये स्यारु ॥ धनत्रा सुयः
 गंधर्वी धियन ये स्यारु ॥ विरूट काय कृष्ण धी धियन ये स्यारु ॥ विरूयाः
 काय नाग धियन ये स्यारु ॥ देवानां स्यारु ॥ नागनां स्यारु ॥ मूसुना ना
 स्यारु ॥ गरुड गैलां स्यारु ॥ गंधर्वी लां स्यारु ॥ किन्नरी लां स्यारु ॥ मेलायग

१४

लां स्यारु ॥ यक्रा लां स्यारु ॥ नाक लां स्यारु ॥ पुना लां स्यारु ॥ यिसा यालां स्यारु
 दालु ना लां स्यारु ॥ कृष्ण लां ना स्यारु ॥ यूठ ना नां स्यारु ॥ कनयूठ ना लां उ
 स्यारु ॥ स्यारु लां स्यारु ॥ जयस्यारु लां स्यारु ॥ उसा दा लां स्यारु ॥ काया लां
 स्यारु ॥ उसा व का नां स्यारु ॥ च लु मूर्या या स्यारु ॥ यडा लां स्यारु ॥ नक्ष
 ग लां स्यारु ॥ ग लां स्यारु ॥ जाटि वि लां स्यारु ॥ सिद्धि वि लां स्यारु ॥

श्री

सिद्धवृत्तांस्तदा ॥ गोत्रीयस्तदा ॥ गंधर्वीयस्तदा ॥ जांभवीयस्तदा ॥
जम्बूनीयस्तदा ॥ जम्बूनीयस्तदा ॥ जम्बूनीयस्तदा ॥ वायवीयस्तदा ॥ डा
मिथिलस्तदा ॥ सवर्गीयस्तदा ॥ जम्बूनीयस्तदा ॥ वज्रवीयस्तदा ॥
मार्तण्डीयस्तदा ॥ नागद्वयस्तदा ॥ गजद्वयस्तदा ॥ मन
सिथिलस्तदा ॥ महासमस्तिलस्तदा ॥ यत्तद्वीयस्तदा ॥ मा विरुडा यः

ॐ

मु

स्तदा ॥ यत्तद्वीयस्तदा ॥ सन्तुडा यस्तदा ॥ महासमन्तुडा यस्तदा ॥
युक्तिसुता यस्तदा ॥ महायुक्तिसुता यस्तदा ॥ सितवना यस्तदा ॥ सद्रुमि
नवना यस्तदा ॥ दधुधना यस्तदा ॥ महासद्रुधना यस्तदा ॥ सुविमि
न्दा यस्तदा ॥ महासुविमिन्दा यस्तदा ॥ जयनि यस्तदा ॥ सानि यस्तदा
स्तदा ॥ यत्तद्वीयस्तदा ॥ जम्बूनीयस्तदा ॥ जम्बूनीयस्तदा ॥ सवर्गीयस्तदा ॥

३१

स्मिन्वरासमयनत्राज्य
साहासमलुयदासांसाः
ह्येयसाहा ॥ ७ ॥ अः
ह्रीन्मीयमृताध्वनय
नेमारुगवस्थेजार्थम

साहासाहाध्वनिय
हामरुमय्येविद्याना
र्यमहासाय्यविद्याना
लिसमाय ॥ ८ ॥ अः
हासीनवस्थे ॥ उगुद्ग

३२

३२

खंनद्वनहुमांसीनवतीनाम ध्वन्यामरु विद्यामलु यदवकावव नगुः
कश्चिक्कल्लिकेष्टीसा मयासका मयासिकाना अदीर्घ्यापमथयहि
नायसुगोयरु विद्यानि ॥ नद्यथा ॥ अंगम वंगम वलंगम संसाजनवंगम सासद
गम नुवाभला नुकवीला न्वर १ वीजाक नवीजाक न १ वीजा विहर्षिका कावृद्धि
काहुं दुहुं दुकी सवाहं साहं सवात्र न मन्त्रिक मन्त्रिर्विधिसाधनीयवमा

श्री

यसा धनी जयमिह न हुंदा वाजा उमा वाजा वरुणा वाजा मनसि वाजा
 वासे की वाजा यमद प्रिया वाजा वक्रास रुद्रा धिय नि वाजा यक्षारु गवान धः
 मासा मि वाजा ॥ ज नू रू न वा क नू कं य क नू कं क नू कं किं य लि जाल यः
 लिपु हं य लि वा न न सा नि स स्य र नं द कु य वि हा रं स सु य वि हा रं वि व द
 य स वि व ना स न सि मा व थ ध न ती व थ च क र्व तु जी क लु व थ स नं य स लु

१०

३२

सुवदांसर्ग ॥ नयथा ॥ रुवमति वलमनि वलमनि वरुमनि जयमिह न
 रुव १ रुव १ रुव १ कालि के ज रु सि सं वा वि न सा म न रु ल रु सि व ल उ य व
 रुव १ ना ठि व थ नी वि मा रु नि सा मा रु नि य धु लं क उ लं क य लं क रु म नि
 रु मं ग भि रु म नि ध न्य म रु ल व ल म रु व ल मा रु व ला व ला कि न ज य व
 रुव १ वि वा य वा ज य पा लि का ज य स रु ती रुव १ रु ल १ रु थ १ रुव १ रु य

५

निवधमनि. धनधनविधन. विमनि. विरुक्. निनासनि. विनासनि. वध
नि. विभादनि. साधनि. विसाध. नी. संकीर्तनि. संकीर्तनी. साधु. नि. मा. न. न.
२. मा. न. वधमनि. हि. वि. २. वि. २. रु. २. यि. ल. न. भा. व. द. ना. र. ॥ ॐ. मा. ३.
॥ ल. य. न. म. हा. सी. न. व. नि. ना. म. वि. द. ॥ न. व. ल. ग. ग. न. दी. वा. न. का. स. य. र. ॥
॥ वि. ना. ॥ र. व. न. र. सि. द्वा. सि. द्वा. य. ना. क. मा. ॥ स. द्वा. दि. व. ना. ग. य. क. ग. ध. र. ॥ स. न. ग.

“

न० किन्नरमहाभागः
 क्षयलिवृतासर्वरथय
 नाग्रसंयदस्रसर्वसत्त्व
 जाग्रमहासीनवनिद
 क्षयलिसमाकृष्टः

दिलिवदी तासच्चजिनगा
सच्चसिलाना श्रीसवमा
नाअस्सि रुक्नु सास
सुधानदी रुक्नु यमखाने
इत्युत्तमोत्तमगवत्तः

श्री

ज्यैष्ठ्यमहासक्तानुसावने॥नेगवल्गवानुनायकानानदमामनुय
नसम॥हुंमानिमहासक्तानुसावलीमनुयदानिलायनसम॥हुंमासुगम
ध॥विसुवन१विसुवन२वद्धालोकनकंयकनुवमाह्लाययति॥सुवन
२युविसुनुनिगद्धने२वद्धयुविसुतिवद्धालोकनकंयकनुवमाह्लायय
नि॥सुसुवन१सुसुवन१सुसुवन१॥युविसुति॥सुवन१मिनि१मिलि१सुल

१२

मिलि१सुवनमिलि१सुवनमिलि१सुलमिलि१सुलमिलि१सुलमिलि१सु
वनमिलि१॥युविसुति॥मिनि१मिनि१मिनि१मिनि१मिनि१॥१०॥मिनि१मिनि१
मिनि१मीनी१मिनी१रुमिमिनि१॥युविसुति॥मिमिदना॥कलंक
ठाकंकुनाकंकुनाकंकुनाकंकुनाकंकुना॥१०॥कंकुविनि॥कलि१क
कवि॥कंकुविनि१मिनि१मिनि१मिनि१मिनि१मिनि१॥सुल

श्री

॥ य विस्मि सर्वसत्त्वदिना ध्यास आभे वि विहाजी मदिना विहा वि कः
 ॥ य विहा वि उ य का विहाजी ॥ न न म नं य दा सिद्धा सिद्ध म थ जि ना दि
 दिना सर्व धां दे व नानां दि रु ना ना क दि न वि ल स ॥ १ ॥ ना धा ल भ ना द्य न
 थ ध म न या यि व ॥ २ ॥ सि व २ क र न वे द स सि दी वा स स क का स सि स द्वा
 ति रु ना नि स द्वा का लं दि सं तु व ४ व द्वा य धा न रु व द्वा दे व नाना म न न यः ॥

२०

॥ या यार्थ सम लि ख न स द्वा ॥ १ ॥ सै दे म थ नां स सि वा दिय द रु नु स सि
 वा नु रु रु द्वा स सि वा व रु नां मा ॥ १ ॥ स सि य ला ग न व र स सि ना ॥
 ॥ १ ॥ स सि दे वा स सि म धां दि न सि न स द्वा वि स सि वा रु नु मा क र्थे वा याः
 य मा ग म न ॥ २ ॥ सर्व सत्त्वा स द्वा य ॥ ३ ॥ सर्व रु ना स क व ना ॥ ४ ॥ सर्व वे स वि न रु
 व रु सर्व सै रु नि वा म या स द्वा रु दा ति य स रु मा क र्थे ला य मा ग म न ॥

श्री

॥ यानि हर्तुं नानि समागता निस्त्रिंशानि तु मावयवान् विष्णु कर्तुं
मेही सननं यजामास दिवा च रात्रौ च चन्द्रधर्मः ॥ ७० ॥ निनन्द
वधनो वधनरुधनं न वेद नाना दव नानरुधनमरु निष्कृत्य सानि
॥ ० ॥ जार्यमां हामानसा न विद्यावाही समाय ॥ ० ॥ जार्य
महाय निसेना जार्यमां हामादस्य न दनी जार्यमहायली जार्य

२०

महासीनवनी जार्यमहामकानसा न विद्यावाही यवि समाय ॥
७० ॥ योधसाह उयरा वासि तुल्यं वां न था गतः ॥ हवदले वां अयाः
निप्राश्च नृवं वादिमहासमक्ष ॥ सुमिश्रामहासाहा वाजाधिरा रुदि नूयः
निवासाह ॥ श्रीग्राणी वीन रुध विक्रमसाह दव समस न ऊं गद वानां य
लुभकूलम विजयनाथ ॥ कानयनि शकानियम महा नग प्रद न भातः

श्री

स्वाभ्यंकरविहारावस्थितभावाधलवात्रकृष्णकल्यदुनियवपुधन
कृष्णनयमनस्वाध्यायतवाभनयानुनधर्मानेकगतेउधलनाथवाः
यादृसंलित्तिवितंदुय्कृतादुसंविहितमयासमदात्मनदियनकदि
शुधंवासेदुनियंमहागुनेआयासुसंवत्स२७मिजावाधशुद्ध
इवसुसयनिवालथमनसंबधिसिधयकोशुहंतुयासईजगतापः

२२



